Date 04/11/2020

अधिगम अक्षम बालकों की समस्याओं के आधार पर अधिगम अक्षमताओं को तीन प्रकारों यथा - (i) पठन कौशल विकृति (Dyslexia) (ii) लेखन कौशल विकृति (Dysgraphia) (iii) तथा गणितीय कौशल विकृति (Dyscalculia) में बाँटा जाता है

(i) पठन कौशल विकृति (Dyslexia) को अधिगम अक्षमता का प्रमुख प्रकार कहा जाता है। देखा गया है कि अधिकांश अधिगम असमर्थ बालक इस विकृति से ग्रस्त रहते हैं। ऐसे बालकों में पढ़ने से सम्बन्धित कौशलों में कमी पायी जाती है। जैसे - वे रुक-रुक कर पढ़ते हैं या पढ़ते समय कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं या कुछ शब्दों को दोहराते हैं या नये शब्द जोड़ देते हैं या शब्दों के क्रम को उलट देते हैं। इस प्रकार के बालकों में स्मरण से दोहराने, अर्थ को समझने, निष्कर्ष निकालने व सामान्य ज्ञान का उपयोग करने जैसी क्षमताओं का भाव दृष्टिगोचर होता है। श्रवण क्षमता में कमी जैसे ध्वनियों को पहचानने या विभेदित करने व दोहराने से सम्बन्धित आदि कठिनाइयों के कारण बालकों को पढ़ने में कठिनाई हो सकती है।

(ii) लेखन कौशल विकृति (Dysgraphia)

बालकों की लिखावट व लेखन कौशल की कमियाँ पाई जाती हैं। उनकी लिखावट भद्दी व गन्दी होती है तथा उनके लेख में शब्द विन्यास दोष व्याकरण त्रुटियाँ व वाक्य संरचना की कमियाँ पाई जाती हैं

SEM-3, SE-301, By- Dr Shyam Bihari Choudhary

TOPIC- Types of Learning disability

Camlin Page (1) Date 04/11/2020

अधिगम अक्षम बालकों की समस्याओं के आधार पर अधिगम अक्षमताओं को तीन प्रकारों यथा - (i) पठन कौशल विकृति (Dyslexia) (ii) लेखन कौशल विकृति (Dysgraphia) (iii) तथा गणितीय कौशल विकृति (Dyscalculia) में बाँटा जाता है

(i) पठन कौशल विकृति (Dyslexia) को अधिगम अक्षमता का प्रमुख प्रकार कहा जाता है। देखा गया है कि अधिकांश अधिगम असमर्थ बालक इस विकृति से ग्रस्त रहते हैं। ऐसे बालकों में पढ़ने से सम्बन्धित कौशलों में कमी पायी जाती है। जैसे- वे रुक-रुक कर पढ़ते हैं या पढ़ते समय कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं या कुछ शब्दों को दोहराते हैं या नये शब्द जोड़ देते हैं या शब्दों के क्रम को उलट देते हैं। इस प्रकार के बालकों में स्मरण से दोहराने, अर्थ को समझने, निष्कर्ष निकालने व सामान्य ज्ञान का उपयोग करने जैसी क्षमताओं का अभाव दृष्टिगोचर होता है। श्रवण क्षमता में कमी जैसे ध्वनियों को पहचानने या विभेदित करने व दोहराने से सम्बन्धित आदि कठिनाइयों के कारण बालकों को पढ़ने में कठिनाई हो सकती है।

(ii) लेखन कौशल विकृति (Dysgraphia)

बालकों की लिखावट व लेखन कौशल की कमियाँ पाई जाती हैं। उनकी लिखावट भद्दी व गन्दी होती है तथा उनके लेख में शब्द विन्यास दोष, व्याकरण त्रुटियाँ व वाक्य संरचना की कमियाँ पाई जाती हैं